“सच्चे भक्त”

धूप बत्ती जलाकर

मन्दिर जाकर

दिखावा दिखाकर

चढावा चढाकर

ई वर प्रसन्न नहीं होते हैं

मन को मांजकर

मेहनत की खाकर

सादा जीवन

उच्च विचार के

बीज हैं बोते

वही प्रभु के

सच्चे भक्त होते हैं